डॉ. माहे तिलत सिद्दीक़ी

शिक्षा :
एम.ए. (हिन्दी), बी.एड., पी-एच.डी.

कृतियाँ :
- यादों के झरोखों से
- गन्तव्य की ओर
- समकालीन हिन्दी एवं उर्दू कहानी लेखिकाओं का तुलनात्मक अध्ययन
- अदबी संगम

अनुवाद :
- मैं भी हाज़िर था वहाँ

संप्रति :
अध्यापन एवं स्वतंत्र लेखन

सम्मान :
- हिन्दी भाषा भूषण सम्मान श्रीनाथ द्वारा 2015
- भारत भाग्य विधाता सम्मान 2014
- माधवराव सिन्धिया अवार्ड 2014
- महादेवी वर्मा सम्मान 2013
- दुष्यन्त कुमार स्मृति सम्मान 2013
- हिन्दी प्रतिभा सम्मान 2012
- भारती रत्न (इलाहाबाद) 2012
- वुमेन ऑफ सब्सटेन्स अवार्ड 2011

मोबाइल : 9956029468

अन्य प्रकाशित पुस्तकें

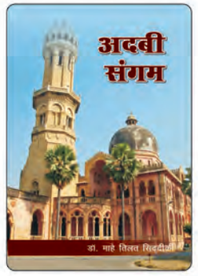

V. P. PUBLISHERS & DISTRIBUTORS
W-2, 862, Basant Vihar, Naubasta, Kanpur-21
Contact : 0512-2633028, 9450331340
E-mail : vppublishers@gmail.com

ISBN 978-93-84120-15-3
9 789384 120153 >
₹ 200.00

अनुभव

डॉ. माहे तिलत सिद्दीक़ी

अनुभव

डॉ. माहे तिलत सिद्दीक़ी

माहे तिलत की कविताएँ इससे पहले भी पढ़ने का इत्तेफ़ाक हुआ है। माहे लगातार सृजन कार्य में संलग्न हैं। मैं नये काव्य संग्रह 'अनुभव' के लिये अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ, उनका उत्साहवर्धन करती हूँ।

सस्नेह !

ममता कालिया

–ममता कालिया
वरिष्ठ साहित्यकार

डॉ. माहे तिलत सिद्दीकी एक उभरती प्रतिभा हैं जो गंगा तट के कानपुर शहर में अध्यापिका के साथ हिन्दी उर्दू भाषा में लेखन भी करती हैं और नवोदित कवयित्री भी हैं। 'अनुभव' उनका तीसरा काव्य संग्रह है। जिस तरह छोटा बच्चा पहली बार बहते जल में अपने पैरों को डरते–डरते रखता है और एक विचित्र अनुभूति से खिलखिला पड़ता है वैसी ही खुशी की तरंगें मुझे डॉ. माहे तिलत के व्यक्तित्व में नज़र आयीं जिसका स्पन्दन उनकी कविता में भी महसूस हुआ। साहित्य की नदी बड़ी गहरी है, उसके पाट चौड़े हैं, उन्हें पार करने के लिये धैर्य, ऊर्जा और लगन तो चाहिये ही साथ ही निरंतर तैरना भी जरूरी है। ठीक उसी प्रकार जैसे समय को गुज़रता देखना।

डॉ. माहे तिलत का यह लगाव शायरी से बना रहे और उन्हें पसन्द व प्रोत्साहन देने वाले इसी संख्या में बने रहें, जैसा कि उनकी पुस्तक में नज़र आए। मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ उनके साथ हैं।

नासिरा शर्मा

–नासिरा शर्मा
वरिष्ठ साहित्यकार

ISBN : 978-93-84120-15-3

₹ 200.00

vuHko

¼dfork laxg½

Mk- ekg fryr flnnhdh

eY; %nk lk#i; ek=

वी.पी. पब्लि ार्स एण्ड डिस्ट ्िब्यूटर्स
MCY;&2] 862 cLUr fogkj] ukcLrk dkuiqj

iLrd % vuHko
yf[kdk % Mk- ekg fryr flnnhdh
idk'kd % dhih- ifCy'klZ ,.M fMLVhC;wVlZ
MCY;&2] 862 cLUr fogkj] ukcLrk dkuiqj
ekc 09450331340] Email : vppublishers@gmail.com
lLdj.k % iFke] 2015
'kCn&lTtk % fjpk xkfQDl] ;'kksnk uxj] dkuiqj
end % lk{kh vkQlsV] ;'kksnk uxj] dkuiqj
© % y[kdh;
eY; % † 200.00
ISBN : 978-93-84120-15-3

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

lei.k

tUe 20&12&1948 eR; 17&12&2009

ej ekxn'kd

,o

çj.kkL=kr

ijeiT; firkth

Lo- ¼Jh½ , tkt vgen flnnhdh

dk

lknj lefir

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जगत वीर सिंह द्रोण
महापौर

दूरभाष :
कार्या० न०नि० : 2540922
कैम्प कार्या० : 2549680
फैक्स : 2549680
आवास : 2555933
113/140, स्वरूप नगर, कानपुर
15-10-2015

MkŒ ekg frryr fI nnhdh dk dk0; I xg ^vuHko* thou d IR; I Ih/kk Ik{kkRdkj gA vuHkfr dk dk0;kRed vfHk0;fä n ikuk dfo d I tu iFk dk xUr0; gkrk gA I tu iFk ij pyr&pyr dof;=h u thou dh IPpkb;k dk cMh Igt Hkk"kk e o.ku fd;k gA Idyu dh leLr dforkvk ij Ionuk idk'k IkfgR; ife;k d fy, IkFkd Ikfcr gkxkA e MkŒ ekg frryr d ;'kLoh Hkfo"; dh dkeuk djrk gA vk'kk djrk g fd MkŒ ekg Hkfo"; e Hkh fgUnh IkfgR; dh Iok ijh rUe;rk d IkFk djA gkfnd Ik/koknA

¼txr ohj flg æks.k½

MkŒ ekg frryr fI nnhdh
dof;=h ,o yf[kdk
88@528] o Ih vikVeUV]
çe uxj] dkuij

मानस संगम

मानस संगम (पंजी०)
३८/२४, प्रयाग नारायण शिवाला
कानपुर- २०८ ००१ (उ.प्र.) भारत
फोन/ फैक्स : ०५१२-२३५५६२६ (मो०) ०९८३९०३०११८

MANAS SANGAM (REGD.)
38/24, PRAYAG NARAIN SHIWALA
KANPUR - 208 001 (U. P.) INDIA
PHONE/ FAX :0512- 2355629, (MOB.) 09839030118

संयोजक / अध्यक्ष :
बद्री नारायण तिवारी

राष्ट्रीय एकता के लिए समर्पित भारत की प्रमुख साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था
A marked Literary, Cultural & Social Organisation of India Dedicated to National Integration

शुभकामना संदेश

डा० माहे तिलत सिद्दीकी का साहित्य प्रेम उनकी माता जी डॉ० महलका एजाज़ की साहित्यिक अभिरूचियों व सहयोग के कारण बीज से वृक्ष का रूप धारण कर चुका है । पूर्व काव्य संकलन **'गन्तव्य की ओर'** में डा० माहे तिलत ने **'माँ'** के स्वरूप पर जो कविता लिखी थी वह हृदय की गहराइयों को छू गई । उसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए प्रस्तुत काव्य संग्रह **'अनुभव'** में भी डॉ० माहे तिलत ने ममतामयी माँ पर अपनी लेखनी चलाते हुए लिखा है :-

"दर्द कितना भी हो सीने में
थपकियाँ देकर सुला देती है माँ"

मुझे उपरोक्त कविता को पढ़कर मुनव्वर राना का साहित्य याद आ गया जो अधिकतर माँ के ऊपर रचा गया है ।

हिन्दी और उर्दू दोनों भाषाएँ भारत की हैं । दोनो में यूं तो कोई अन्तर नहीं लेकिन कभी-कभी साम्प्रदायिकता की लपटें इन्हें, भी झुलसा देती हैं। **'अनुभव'** के अन्तर्गत डॉ० माहे ने इसी पीड़ा को अपनी कविता के माध्यम से कुछ यूँ व्यक्त किया है:-

"धर्म राज्य की स्थापना की खातिर
कब तक बहेगा निर्दोष लहू"

संकलन की सभी कविताएं स्तरीय है और समाज के आइने के रूप में है । यह डॉ० माहे तिलत की छठी कृति है । मै उन्हें बहुत बधाई देता हूँ और उनके गंगा जमुनी तहज़ीब, की सराहना करते हुए सदा आगे बढ़ते रहने की ईश्वर से कामना करता हूँ।

धन्यवाद ।

(बद्री नारायण तिवारी)

कानपुर महानगर का गौरवपूर्ण दर्शनीय स्थल "तुलसी उपवन" — मोतीझील एवं "शहीद उपवन" नानाराव पार्क

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)